बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

वृहस्पतिवार, तिथि ८ दिसम्बर १९६०।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-भवन में वृहस्पतिवार, तिथि ८ दिसम्बर १९६० को पूर्वाह्न ११ बजे अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचित प्रश्नोत्तर।

Short-notice Questions and Answers.

देवघर के हरिजन छात्रों को छात्रवृत्ति।

२८। श्री मंगु लाल दास—क्या मंत्री, कल्याण विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि जिला संथाल परगना, देवघर सबडिवीजन के स्कूलों में हरिजन छात्रों को छात्रवृत्ति जुलाई, १९६० से नहीं मिल पाई है; यदि हां, तो क्यों;

(२) क्या सरकार शीघ्रातिशीघ्र उक्त छात्रों के बीच छात्रवृत्ति बांटने का विचार रखती है; यदि हां, तो कबतक; यदि नहीं, तो क्यों?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—(१) उत्तर नकारात्मक है।

(२) प्रश्न नहीं उठता है।

श्री मंगु लाल दास—रुपया कब दिया गया।

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—सितम्बर १९६० तक की छात्रवृत्ति पहले ही दे दी गयी है और इधर अक्तूबर से दिसम्बर तक की छात्रवृत्ति का भी रुपया भेज दिया गया है।

श्री मंगु लाल दास—प्रश्न होने के पहले भेजा गया है या बाद में?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—सितम्बर तक का रुपया प्रश्न के पहले ही भेज दिया गया था।

*श्री कामदेव सिंह—कितने छात्रों की छात्रवृति दी गयी है?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—यह प्रश्न नहीं उठता।

(२) क्या यह बात सही है कि फौरेस्ट गार्ड अपने क्षेत्र के बाहर ही रहते हैं और विरले ही क्षेत्र को देखने के लिये जाया करते हैं ;

(३) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर 'हां' में हैं, तो क्या सरकार जंगल की रक्षा करने के ख्याल से फौरेस्ट गार्ड को अपने क्षेत्र में रहने के लिये व्यवस्था करने को सोचती है; यदि नहीं, तो क्यों ?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) उत्तर नकारात्मक है।

(३) प्रश्न ही नहीं उठता है।

*श्री उमेश्वर प्रसाद—क्या यह बात सही है कि उनके रहने के लिए क्वार्टर या कोई जगह न रहने से वे लोग उस क्षेत्र में नहीं रह सकते हैं ?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—रहने के लिए कोई-न-कोई व्यवस्था रहती है और वे लोग आसपास में भाड़ा का मकान लेकर रहते हैं।

श्री उमेश्वर प्रसाद—क्या सरकार को यह मालूम है कि आदिवासी लोग गरीब होते हैं और इसलिए उनके क्षेत्र में भाड़े पर मकान नहीं मिलता है ?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—फिर सद्भावना के पुकार से लोग उन्हें आश्रय देते हैं।

श्री उमेश्वर प्रसाद—उनलोगों के पास क्वार्टर्स नहीं हैं और भाड़े का मकान नहीं मिलता है इसलिए उनको दूर रहना पड़ता है, यह बात सही है या नहीं ?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—यह प्रश्न नहीं उठता है।

RESIDENTIAL BUILDING FOR TRIBAL BASIC LOWER PRIMARY SCHOOL.

1238. **Shri SUKHDEO MANJHI :** Will the Minister in charge of the Welfare Department be pleased to state whether it is a fact that a residential building of Tribal Basic Lower Primary School was no sooner constructed in village Budhuakala in the hilly tracts of P.-S. Rohtas (Shahabad) than the said building collapsed ; if so, the immediate steps Government propose to take to look into the matter ?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—उत्तर आंशिक रूप में स्वीकारात्मक है। विद्यालय भवन का निर्माण कार्य जब चल ही रहा था, उसी समय ठीकेदार ने बिना छप्पर छाये कार्य बन्द कर दिया जिसके कारण वर्षा में दीवाल गिर गयी। चूंकि ठीकेदार की गलती से दीवाल गिरी अतएव ऐग्रीमेंट की शर्तों के अनुसार उन्हें आदेश दिया गया है कि क्षति की पूर्त्ति वे स्वयं करें।

*श्री हरिचरण सोय—मैं जानना चाहता हूं कि वह मकान कब तक और कैसे बनेगा?

अध्यक्ष—उन्होंने जवाब में तो कहा है कि ठीकेदार को कहा गया है कि वे क्षति की पूर्त्ति करें।

श्री हरिचरण सोय—मैं जानना चाहता हूं कि मकान कबतक बन जायेगा?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—ठीकेदार ने जितना सरकारी रुपये खर्च किया है, उतना काम उसको कर देना है ऐग्रीमेंट के मुताबिक। उस काम के पूरा होने के बाद वह मकान बनेगा।

श्री उमेश्वर प्रसाद—मेरा पूछना है कि उस मकान को कब बनाने का आदेश दिया जायगा?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—जितनी जल्दी हो सकेगा, मकान बना दिया जायेगा।

ROADS IN HILLY TRACTS OF SHAHABAD.

1239. Shri SUKHDEO MANJHI : Will the Minister in charge of the Welfare Department be pleased to state the number of the roads sanctioned under the Centrally Sponsored Schemes (hill path ways) in the hilly tracts of Sasaram, Sheosagar, Chanari, Rohtas, Adhaura, Chainpur, Bhabua and Chand in the district of Shahabad and the progress of the work made so far?

श्रीमती राजेश्वरी सरोज दास—उपर्युक्त क्षेत्रों में केन्द्र प्रवर्त्तित योजना के अन्तर्गत निम्नलिखित सड़कें बन चुकी हैं:—

(१) भभुआ से अधौरा तक जिसमें बीच में सुखारा नदी पर एक कौंजवे भी बना है।

(२) रेहल से चुनहट्टा तक।

(३) रेहल से हरमट तक।